हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 12 अप्रैल 2026

11 मुख्यमंत्री सैनी ने चरखी दादरी की नई सब्जीमंडी ...

10 संयुक्त किसान मोर्चा ने धनाना गांव में जींद-भिवानी ...

SARASWATI VIDYA VIHAR
Asalwas Dubia
ADMISSION OPEN 2026
A DAY BOARDING SCHOOL
Learning, guidance and care throughout the day
911 411 6000 | 911 411 8000

FIRST STAIR PLAY SCHOOL
SHANKAR COLONY, CHARKHI DADRI
Recognised by Govt. of Haryana
Why Choose Us?
Smart & Air-Conditioned Classrooms
Experienced & Caring Teachers
Safe, Hygienic & Secure Campus
School Van Facility Available
Fun Activity Zone & Toy Train
Charkhi Dadri's Best Play School
With Expert Teachers
ADMISSION OPEN
At First Stair Play School, we believe every child deserves a happy, safe, and creative start to their education.
Call Now 90500-44292

H.D. Public School Birohar
A Co-Education English Medium | C.B.S.E Affiliated Sr. Sec. School
ADMISSION OPEN
Session: 2026-27
Science (Medical, Non-Medical), Commerce, Arts
IIT/NIT
MD/MBBS
NDA Selection
CA Final
Foundation Classes (6th onwards)
NEET | JEE | NTSE | NDA | MNS
M. 8059923555, 8607128682

खबर संक्षेप

डीएससी समाज का महासम्मेलन आज

भिवानी। गांव घसौला की संत कबीर धानक चौपाल में 12 अप्रैल को सांय 3 बजे संविधान निर्माता भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर डीएससी समाज का महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। संत कबीर छात्रावास हिसार के चरखी दादरी जिला प्रधान श्याम सुन्दर ने बताया कि महासम्मेलन में मुख्यातिथि स्वामी स्वदेस कबीर होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि बवानीखेड़ा से पूर्व विधायक बिशंबर वाल्मीकि, अतिविशिष्ट अतिथि संत कबीर छात्रावास हिसार प्रधान जोगीराम खुंडिया होंगे।

हरियाणा जागृति मोर्चा ने टोल फ्री करवाने को लेकर चलाया जनसंपर्क अभियान

26 अप्रैल की महापंचायत के लिए दिया न्योता

- बवानीखेड़ा टोल पर दस किलोमीटर के दायरे में आने वाले लोगों से ही नहीं, बल्कि बवानीखेड़ा के लोगों से टोल लिया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। शनिवार को टोल फ्री करवाने की मांग करते हरियाणा जागृति मोर्चा के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को हरियाणा जागृति मोर्चा के सदस्यों ने बवानीखेड़ा में टोल फ्री करवाने की मांग को लेकर जनसंपर्क अभियान चलाया। इसी क्रम में बलियाली गांव में बैठक का आयोजन करके लोगों को 26 अप्रैल को होने वाली महापंचायत को न्योता दिया। मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधु व मोर्चा संरक्षक एडवोकेट रामकिशन काजल ने कहा कि अभी तक सड़क का कार्य पूरा नहीं हुआ, लेकिन उससे पहले ही टोल लागू कर दिया।

हैरानी की बात ये है कि अन्य टोल पर 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले लोगों को टोल में छूट दी जा रही, लेकिन बवानीखेड़ा टोल पर दस किलोमीटर के दायरे में आने वाले लोगों से ही नहीं, बल्कि बवानीखेड़ा के लोगों से टोल लिया जा रहा है, जो पूरी तरह से गलत है। उन्होंने बताया कि 22 मार्च को इसी मामले को लेकर टोल पर महापंचायत की थी, लेकिन टोल मैनेजर ने कोई रिस्पांस नहीं दिया। 5 अप्रैल की बैठक में टोल मैनेजर ने 15 दिन का समय मांगा है, अब वे मामले को लेकर 26 अप्रैल को फिर से टोल पर महापंचायत बुलाएंगे, अगर इस दौरान उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आर पार की लड़ाई का ऐलान करेंगे। हलका अध्यक्ष जयबीर आल्हाण व विकाश खन्ना ने बताया कि 26 अप्रैल को सैकड़ों की तादाद में महापंचायत में भाग लेंगे। मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधु ने बताया कि 26 अप्रैल को होने वाली महापंचायत में करीब 20 गांवों के लोग शामिल होंगे। चूंकि इन गांवों के लोगों से अवध रूप से टोल वसुला जा रहा है।

नाबालिग के घर में घुसकर परिवार को धमकी देने के दोषी को 20 साल की जेल

भिवानी। नाबालिग लड़की का पीछा कर घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी को 20 वर्ष कारावास व 40000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। न्यायाधीश सुरुचि अटरेजा सिंह ने नाबालिग लड़की का पीछा करने, उसके घर में जबरन घुसने तथा जान से मारने की धमकी देने के गंभीर मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए कठोर सजा सुनाई। मामला वर्ष 2024 का है, जब भिवानी निवासी पीड़िता ने थाना औद्योगिक क्षेत्र में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि आरोपी लगातार स्कूल आते-जाते समय उसका पीछा करता था। विरोध करने के बावजूद आरोपी उसके घर में जबरन घुस आया और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर थाना औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया तथा आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। इसी मामले में पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी दीपक पुत्र विनोद निवासी कॉट रोड शांति नगर भिवानी को दोषी ठहराया। न्यायालय ने आरोपी को 20 साल की जेल और जुर्माने की सजा सुनाई है।

K.M. PUBLIC SCHOOL (SR. SEC.), BHIWANI
Affiliated to C.B.S.E., Delhi
Aff. No. 530276

Salient features:
Smart and ventilated class rooms.
Special olympiad classes.
Stress free & eco-friendly environment.
Dedicated, experienced & trained staff.
Extensive play ground & beautiful gardens.
Well equipped laboratories.
Air conditioned library.
Air conditioned pre-primary section.
Excellent results of board classes.
N.C.C., Scouts & Guides wing.
Transport facility available.
ADMISSIONS OPEN
(SESSION: 2026-27)
for Classes Nursery to IX & XI
(Science, Commerce & Arts)
Contact us now at:
Hansi Road, Bhiwani
01664-241268, 254125
www.kmpsbhiwani.com
principal.kmps@gmail.com
Principal
Additional Deputy Commissioner-Cum-Administrator
K.M. Public school, Bhiwani

VAISH INTERNATIONAL SCHOOL
Near Devsar Chungi Circular Road, Bhiwani
A Co-Educational English Medium Day School
Affiliated to CBSE, New Delhi (Affiliation No.532162)
NURSERY TO 9th & 11th CLASS
(Science, Commerce & Arts)
WE ARE HIRING! JOIN OUR TEAM
SITUATION VACANT
Walk in interview
12 April 2026
at 10.00 a.m.
at school campus
ADMISSION OPEN SESSION 2026-27
SCHOLARSHIP TEST (Classes I to IX & XI)
on 12th & 19 April 2026 (Sunday) TIME : 11:00 AM
Grade - 1 ₹ 11,000/- Grade - 2 ₹ 7,100/- Grade - 3 ₹ 5,100/-
Special Admission Drive for
9th ,10th &11th Foundation Course for
NEET, IIT & JEE
HYBRID SCHOOL INTEGRATED PROGRAM
Academics and competitive exams prep together
AT ONE PLACE !
Powered By
PHYSICS WALLAH | VIDYAPEETH —PATHSHALA—
SVG CENTRE OF EXCELLENCE
TEACHING STAFF -
PRT & TGT All Subject
PGT - Hindi, Physics, Chemistry, Maths, Biology, Commerce, Economics, History, Geography, Political Science, I.T.
• NTT & Coordinator
• English Communicator
• Sports Teacher
• Music Teacher • Dance Teacher
• Librarian
Admin Staff
• Accountant • Clerk • Receptionist
• Lab Attendants
Supporting Staff
• Peon • Sweepers • Drivers
• Security Guard • Maids for NTT Classes
COMPREHENSIVE PREPARATION
BOARD FOCUS
COMPETITIVE EDGE ALL INDIA TEST SERIES
EXPERT GUIDANCE
Enquiry 8168006945
Principal Dr. Kartar Singh Jakhar
M.: 9466205662

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य ठेका कर्मियों को चार माह से वेतन नहीं

भिवानी। हरियाणा के स्वास्थ्य ठेका कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। शनिवार को सर्व कर्मचारी संघ के भवन में स्वास्थ्य ठेका कर्मचारी यूनियन की राज्य कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक हुई। हरियाणा स्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ के वरिष्ठ प्रधान दीपक तंवर व कोषाध्यक्ष कर्मबीर ने बताया कि कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। यूनियन की राज्य प्रधान सुमित्रा ने सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को पिछले चार महीनों से वेतन नहीं मिला है। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से लगे कर्मचारी आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे हैं, हम केवल अपना हक मांग रहे हैं, समान काम समान वेतन और जॉब सुरक्षा हमारी मांगों पर सरकार तुरंत कार्रवाई करें, अन्यथा संगठन बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगा। एचकेआरएन के तहत कार्यरत सभी कर्मचारियों का पिछले चार महीनों का बकाया वेतन तुरंत जारी किया जाए और सभी के ईएसआई कार्ड जल्द बनवाए जाएं। वहीं दूसरे जिलों में भेजे जा रहे डेपूटेशन को तुरंत रद किया जाए ताकि कर्मचारियों को असुविधा न हो।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा क्षेत्र में दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां युवक ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी अनुसार सचिन (लगभग 25 वर्ष) निवासी सुमड़ाखेड़ा, गंगानगर (दिल्ली), बवानीखेड़ा रेलवे ट्रैक के पास होम सिग्नल के नजदीक हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रेन की चपेट में आने से युवक के दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं और उनके कटने की आशंका है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी। सचिन अपने परिवार में दो बहनों का बड़ा भाई बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और बिना देरी उसे निजी वाहन में उपचार के लिए अस्पताल ले गए। फिलहाल युवक की हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से ट्रैक के पास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और सतर्कता बढ़ाने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

अनावश्यक मंडी शर्तों का विरोध, बारिश से बर्बाद फसलों के मुआवजे की मांग

संयुक्त किसान मोर्चा ने धनाना गांव में 2 घंटे जींद-भिवानी रोड किया जाम, यातायात ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर प्रदेश की मंडियों में अनावश्यक शर्तों को वापस लेने, जलभराव/बाढ़ से बर्बाद खरीफ फसल, रबी की फसलों में बेमोशमी बारिश एवं ओलावृष्टि से हुए नुकसान के न्यायोचित मुआवजे की मांग की। इसी के चलते किसानों ने जींद भिवानी मार्ग पर गांव धनाना में सरकार विरोधी प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के चलते दो घंटे रोड जाम रहा और यातायात वपूरी तरह से बाधित रही। किसानों के बीच जिला प्रशासन की ओर से कृषि अधिकारी राजीव कुमार ज्ञापन लेने पहुंचे और किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम दो ज्ञापन सौंपे।

प्रदर्शन की अध्यक्षता किसान सभा से रामफल देशवाल, जाटू खाप 84 के कुलदीप, ऑल इन्डिया किसान मजदूर संगठन से रोहताश सैनी, ग्राम स्वराज किसान मोर्चा से रघुवीर भेरा व युवा कल्याण संगठन से कमलसिंह प्रधान ने संयुक्त रूप से की। मंच संचालन किसान सभा के राजकुमार दलाल ने किया। सभी किसान संगठनों व विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने कहा कि हरियाणा सरकार ने मंडियों में सरसों व गेहूं खरीद में बायोमैट्रिक लागू करने, सरकारी एजेन्सियों को खरीद प्रक्रिया से दूर रखकर खरीद प्रक्रिया को ठप कर रही है, जिसने किसानों के सामने मुसीबत पैदा कर दी है। उन्होंने उक्त अनावश्यक शर्तों को बंद करने, सरसों व गेहूं की पूरी खरीद सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने कहा कि भिवानी के तीन दर्जन गांवों में बाढ़/ जलभराव के कारण खरीफ फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई तथा जलभराव से गांव में मकान व सरकारी स्कूल भी बर्बाद हो गए। सागवान गांव में 80 प्रतिशत लोग गांव से पलायन कर गए थे, लेकिन सरकार ने कोई मुआवजा नहीं दिया। इसी तरह बेमोशमी बारिश/ ओलावृष्टि से रबी फसल का 40 प्रतिशत नुकसान हो गया, लेकिन सरकार ने किसानों की कोई मदद नहीं की। कार्यकम में महात्मा ज्योतिबा फूले की 200वीं जयंती मनाई तथा अखिल भारतीय किसान सभा का 90वां स्थापना दिवस मनाया और स्थापना अध्यक्ष स्वामी सहजानन्द सरस्वती एवं किसान सभा के संस्थापकों को नमन किया। प्रदर्शन को सम्बोधित करने वालों में किसान सभा व माकपा नेता कामरेड ओमप्रकाश, शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी, कांग्रेस के ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी, एडवोकेट राजेश सिंधु, किसान नेता राजेश कुंगड़, विनोद राजपूत, जाटू खाप के राजसिंह जताई, कुलदीप धनाना, रामकिशन बडेसरा, जोगेंद्र तालु, सन्तोष देशवाल, राकेश आर्य, युद्धवीर खरेटा, सुखबीर सिंह, सीटू के अनिल, कामरेड राजकुमार बासिया व यूटीयूसी के धर्मबीर शामिल थे।

भिवानी। गांव धनाना में जींद-भिवानी रोड पर जाम लगाकर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य व अन्य संगठनों के कार्यकर्ता। *फोटो : हरिभूमि*

भिवानी अनाजमंडी में कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा सरकार को किसान विरोधी बताया

■ अनाज की सुस्त खरीद का किया विरोध थोपी जटिल शर्तों को हटाने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अनाज मंडियों में फसल खरीद में आ रही दिक्कतों और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ शनिवार को कांग्रेस ने मोर्चा खोला। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में भिवानी की अनाजमंडी में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की अगुवाई कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी और शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप जोगी ने संयुक्त रूप से की। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मंडियों में किसानों के अनाज की ढुलाई होने के बावजूद सरकार जानबूझकर खरीदारी में देरी कर रही है।

अनिरुद्ध चौधरी व प्रदीप जोगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने खरीद प्रक्रिया में ऐसी अनाप-शनाप एवं शर्तें थोप दी, जिनसे किसान बेहाल है। सरकार केवल कागजों में खरीद का दावा करती है, हकीकत में किसान की सुध लेने वाला कोई नहीं है। इस अवसर पर एससी ग्रामीण प्रधान विरेंद्र बापोड़ा, सेवादल जिला अध्यक्ष विजेंद्र सिवाच, दिनेश शास्त्री, शीला गोरा, बलवान पार्षद, अशोक ढ़ोला, रमेश वाल्मीकि, निर्मला दामोलिया, पुनीत नुनीवाल, भूपेंद्र खटक, रोबिन चौहान, शिवकुमार धानक, देव हालुवास मौजूद रहे।

भिवानी। प्रदर्शन करते कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया जोगी, ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी व अन्य।

भिवानी। अनाजमंडी में खरीद प्रक्रिया का जायजा लेते इनेलो नेता डॉ. वासुदेव शर्मा व अशोक ढाणीमाहू व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

इनेलो ने अनाजमंडी का दौरा कर खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

भिवानी। बीते दिनों आई बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की कमर टूट गई है। खेतों में बिछी फसल और मंडियों में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) अब सीधे मैदान में उतर आई है। इनेलो शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रदेश की विभिन्न अनाज मंडियों का दौरा शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में इनेलो पार्लियामेंट्री बोर्ड के चेयरमैन एवं पूर्वमंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा और जिलाध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहू के नेतृत्व में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शनिवार को भिवानी अनाजमंडी का दौरा किया। इस दौरान इनेलो नेताओं ने मंडी में स्थापित फसल खरीद सेवा केंद्र में किसानों व आढ़तियों की बैठक ली तथा खरीद प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं का बारीकी से जाना। मंडी में खरीद प्रक्रिया का जायजा लेने पहुंचे डॉ. वासुदेव शर्मा व अशोक ढ़ाणीमाहू ने किसानों और आढ़तियों की समस्याएं सुनीं। कहा कि पिछले छह महीनों से हाड़-तोड़ मेहनत कर किसान जिस फसल के पकने का इंतजार कर रहे थे, कुदरत की मार और सरकार की अनदेखी ने पानी फेर दिया है। बारिश ने किसानों को बर्बादी के कगार पर खड़ा कर दिया है। इनेलो सरकार से मांग करती है कि गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को 50 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने बताया कि 13 अप्रैल को इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा व संरक्षक प्रोफेसर संपत सिंह भिवानी अनाजमंडी का दौरा कर समस्याएं जानेंगे। इस अवसर पर विजय पंचगांवा, सुनील लांबा, डॉ. मनजीत ढुल, जितेंद्र मिनी, कृष्ण सिवाच, भूपेंद्र घणघस, पूर्ण जांगड़ा, कृष्ण स्वामी व दीपक बागड़ी मौजूद रहे।

समानता के लिए महात्मा फुले के आदर्श जरूरी

■ वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वीं जयंती मनाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में महात्मा ज्योतिबा फुले की 200वी जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई। महान समाज सुधारक, विचारक एवं शिक्षाविद ज्योतिबा फुले की जयंती पर स्कूल में भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर विद्यालय महासचिव डॉ पवन कुमार बुवानी वाला व प्राचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पण से हुई। सभी शिक्षकों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। महासचिव ने ज्योतिबा फुले के महान, क्रांतिकारी एवं समाजहितैषी कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को आज के समय में भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कहा कि हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में समानता और जागरूकता को बढ़ावा देना चाहिए। प्राचार्य ने कहा कि ज्योतिबा फुले को दूरदर्शी, प्रगतिशील एवं मानवतावादी बताते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को सराहा। कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय एवं भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

भिवानी। महात्मा ज्योतिबा फूले को नमन करते अतिथि। *फोटो : हरिभूमि*

सीबीएलयू में इनसो का शक्ति प्रदर्शन

■ छात्र संघ चुनाव नहीं होने पर इनसो ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय परिसर छात्र राजनीति के नारों से गूंज उठा। इंडियन नेशनल स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (इनसो) द्वारा आयोजित छात्र संवाद कार्यक्रम में युवाओं का भारी हुजूम उमड़ा। कार्यक्रम के जरिए इनसो ने ना केवल अपनी ताकत दिखाई, बल्कि प्रदेश सरकार और प्रतिद्वंदी संगठनों को भी कड़ा राजनीतिक संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इनसो जिला चेयरमैन नितिन सैन व जिला प्रधान जयदीप ग्रेवाल ने संयुक्त रूप से की। उन्होंने विश्वविद्यालय में छात्रों को आ रही मूलभूत सुविधाओं की कमी और प्रशासनिक अड़चनों को प्रमुखता से उठाया।

कार्यक्रम में मुख्यतिथि के तौर पर पहुंचे युवा जजपा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने मंच से सीधा हमला बोला। उन्होंने छात्र संघ चुनाव बहाली के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का गला घोंटा जा रहा है, यदि हरियाणा सरकार ने जल्द प्रत्यक्ष छात्र संघ चुनाव करवाने की घोषणा नहीं की, तो इनसो प्रदेशभर में विशाल आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस अवसर इनसो सीबीएलयू इकाई अध्यक्ष दीपांशु जांगड़ा, अध्यक्ष सपना, चेयरमैन रोहित, जजपा युवा जिला अध्यक्ष सेठी धनाना, युवा जिला प्रभारी ओमी राजपूत, प्रवीण बॉक्सर, आशीष पहलवान, सोमबीर तंवर मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को संबोधित करते युवा जजपा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला।

उमरावत जलघर में पानी की किल्लत समस्या दूर करने में जुटा प्रशासन

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के संज्ञान में ग्राम उमरावत के जलघर में पानी की किल्लत का मामला आने के बाद जनस्वास्थ्य विभाग तुरंत सक्रिय हो गया। इस पर डीसी ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, जिसके बाद विभाग ने मौके की स्थिति देख आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग के एक्सईएन कपिल देव ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताया कि ग्राम उमरावत के जलघर में एक स्टोरेज टैंक स्थापित है, जिसे दादरी डिस्ट्रीब्यूटरी आधारित चार गांवों की नहरी जल आपूर्ति परियोजना के माध्यम से भरा जाता है। इस परियोजना के अंतर्गत क्रमश कायला, बड़ाला, सांगा एवं उमरावत जलघरों के टैंकों को पानी उपलब्ध करवाया जाता है। नहर में पानी की कम उपलब्धता तथा निर्धारित नहरी अवधि के दौरान आठ दिनों तक नहरी पानी नहीं चलने के कारण उमरावत जलघर का टैंक पूर्ण रूप से नहीं भर पाया। इसके चलते पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। स्थिति को संभालने के लिए विभाग द्वारा जल वितरण को सुचारू बनाए रखने के लिए राशनिंग प्रणाली लागू की है। इसके अलावा गांव में उपलब्ध एक ट्यूबवेल के माध्यम से भी पेयजल की मांग को आंशिक रूप से पूरा किया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को आवश्यक जलापूर्ति सुनिश्चित की जा सके। विभाग द्वारा स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और जैसे ही नहरी जल की उपलब्धता सामान्य होगी, नियमित जल आपूर्ति को बहाल कर दिया जाएगा।

बीआरसीएम कॉलेज में स्टैंडअप कॉमेडी में दीपेश और सोलो सिंगिंग में आरजू एवं अवनी ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

बीआरसीएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी बहल में शनिवार को तीन दिवसीय तकनीकी, खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव फ्यूजन का आयोजन किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। संस्थान के स्वामी विवेकानंद सभागार में अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन करके शुभारंभ किया।

समापन समारोह में बीआरसीएम संस्थान निदेशक डॉ. एसके सिन्हा मुख्यतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता इंजीनियरिंग कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनुज शर्मा ने की। डॉ. सिन्हा ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के विकास होता है। महोत्सव में विभिन्न तकनीकी प्रतियोगिताएं जैसे एक्सटेम्पोर, ग्रुप डिस्कशन, टूल रिकग्निशन, पोस्टर मेकिंग, पीपीटी प्रस्तुति आदि का आयोजन किया। अंतिम दिन ग्रुप डांस, सोलो डांस, सोलो सिंगिंग एवं स्टैंड-अप कॉमेडी ने दर्शकों का मनमोह लिया। स्टैंडअप कॉमेडी में दीपेश, सोलो सिंगिंग में आरजू एवं अवनी, सोलो डांस में हिमानी, संजना, रवीना, काशिश एवं नाशवी ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के आयोजन में संयोजक डॉ जितेंद्र गौड, का योगदान रहा। इस अवसर पर डॉ सुनील शुक्ला, प्राचार्य बीआरसीएम लॉ कॉलेज , डॉ अनुज शर्मा, प्राचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ विवेक कुमार , डॉ जीतेन्द्र गौड, अमित फोगला , सुरेश जांगड़ा, अमित रंजन, पवन पंघाल रजिस्ट्रार, भारती सहित सभी स्टाफ सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहे।

बहल। प्रतियोगिता के विजेता निदेशक डॉ .एसके सिंहा के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

पीडब्ल्यूडी सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ की हुई बैठक, विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

तोशाम। शनिवार को पीडब्ल्यूडी सेवानिवृत कर्मचारी संघ जिला भिवानी की बैठक तोशाम की पंजाबी धर्मशाला में यादवीरेंद्र शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक के दौरान विशेष तौर पर संघ की सदस्यता की समीक्षा की गई तथा उपस्थित सभी सेवानिवृत कर्मचारियों से ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने का आग्रह किया गया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि सदस्यता अभियान के पश्चात अप्रैल माह के अंत में जिला भिवानी का सम्मेलन आयोजित करवाया जाएगा। बैठक के दौरान आह्वान किया कि आगामी 21 अप्रैल को भिवानी उपायुक्त कार्यालय पर रिटायर्ड कर्मचारी संघ के धरने में सभी सेवानिवृत कर्मचारी बढ़-चढ़कर भाग ले। सेवानिवृत कर्मचारियों ने बताया कि उनकी मुख्य मांगे हैं पेंशन विधेयक 2025 को वापिस लिया जाए, पेंशनर को 65, 70, 75, 80 वर्ष की आयु होने पर पेंशन में बढ़ोतरी की जाए, एलटीसी के सभी पुराने नियम लागू हो, पीडब्ल्यूडी में मेडिकल बिल की वेरिफिकेशन विभाग खुद करवाए तथा सभी कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए। इस मौके पर राजकुमार राघव, ओमप्रकाश शेखावत, रामधारी गोस्वामी, अनिल मुंजाल, गोपीराम शर्मा, धर्मवीर सिंह, सुभाष कक्कड़, सतपाल, बलबीर आदि अनेक सेवानिवृत कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

लोकसभा और राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल से आएगा बड़ा बदलाव : श्रुति चौधरी

■ महिलाएं हर तरह से सक्षम, पंचायत से लोकसभा तक कर रही प्रतिनिधित्व : श्रुति चौधरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरगामी सोच के चलते महिलाओं को लोकसभा व विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने का बिल पारित होने जा रहा है, इससे देश की आबादी का 50 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं का है, वह सशक्त होगा। महिलाओं के नेतृत्व में समाज और अधिक समृद्ध एवं खुशहाल होगा।

मंत्री श्रुति चौधरी शनिवार को एक रेस्तरां में पत्रकारों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देना ऐतिहासिक कदम है, इससे समाज में बड़ा ही सकारात्मक क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि महिलाएं हर तरह से मजबूत हैं। महिलाओं ने हर मुकाम हासिल किया है। नासा में परचम फहराया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को बिल का समर्थन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे पहले महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के नाम पर केवल बातें होती रही हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी इसे वास्तविक स्वरूप दे रहे हैं। 11 वर्षों में केंद्र और प्रदेश सरकार महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लेकर आई है। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान से लिंगानुपात में रचनात्मक सुधार हुआ है।

भिवानी। पत्रकारों से चर्चा करती महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी।

सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज के प्रति जिम्मेदारी कभी नहीं होती खत्म: धर्मकौर

पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

स्वास्थ्य विभाग के पीएचसी मानहेरू में तैनात आशा वर्कर धर्मकौर की सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन किया, जहां साथी कर्मियों ने धर्मकौर को भावुकता के साथ विदाई दी।

वहीं धर्मकौर ने अपनी विदाई को यादगार बनाते हुए समाज को पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया। विदाई समारोह के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ व साथी कर्मियों ने धर्मकौर को फूल-मालाएं पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। वक्ताओं ने धर्मकौर के सेवाकाल की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने हमेशा कर्मठ एवं समर्पित कार्यकर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाई, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुंचाने में उनका योगदान अतुलनीय रहा। धर्मकौर ने सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश की। उन्होंने परिसर में त्रिवेणी रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। धर्मकौर ने कहा कि नौकरी से सेवानिवृत्त होना एक प्रक्रिया है, लेकिन समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी कभी खत्म नहीं होती। वहीं धर्मकौर के साथ काम करने वाले उनके साथी कर्मियों ने उनके व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि वे केवल सहकर्मी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की तरह थीं।

भिवानी। सेवानिवृति पर त्रिवेणी रोपित करती आशा वर्कर्स धर्मकौर व अन्य। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. अदिति शर्मा, डॉ. अमित, रमेश सागवान, सुनीता मोरवाल, सुरेंद्र ब्लॉक आशा कॉर्डिनेटर, जगवंती आशा, कुसुम, पूनम, सुमन, बिमला, कृष्णा, सुजाता, कांता, रेखा व सरोज आशा वर्कर्स मौजूद रही।

मुख्यमंत्री सैनी ने चरखी दादरी की नई सब्जीमंडी में विकसित दादरी रैली में की अनेक घोषणाएं

सीएम सैनी ने दी करोड़ों की सौगात,76 करोड़ 60 लाख की लागत से ओपन ड्रेन का होगा निर्माण

चरखी दादरी। विकसित दादरी रैली को संबोधित करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उपस्थित भीड़। फोटो : हरिभूमि

- पूर्वमंत्री सतपाल सांगवान के नाम पर पार्क और खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चरखी दादरी की नई सब्जीमंडी में आयोजित विकसित दादरी रैली में अनेक घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने दादरी के विधायक सुनील सांगवान द्वारा रखी मांगों को मंजूर करते हुए कहा कि दादरी में स्ट्रांग वाटर की निकासी के लिए लोहारू फीडर या बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी नदी से ड्रेन नंबर 8 तक 76 करोड़ 60 लाख की लागत से ओपन ड्रेन का निर्माण किया जाएगा।

इसी प्रकार सहुवास, फतेहगढ़ माइनर का नवीनीकरण और रीमॉडलिंग किया जाएगा। गांव खातीवास, जयश्री, कोलहावास, कमोद, रावलधी, मिसरी व घिकाड़ा के लिए कमोद माइनर की रीमॉडलिंग की जाएगी। मुख्यमंत्री सैनी ने डूडीवाला किशनपुरा, रामपुर, डूडीवाला नंदकरण, डोहका दीना गांवों की फिरनियों को पक्का करने का काम किया जाएगा। वहीं दादरी में जिला परिषद भवन का निर्माण किया जाएगा और सिविल अस्पताल में 100 बिस्तरों के अतिरिक्त ब्लॉक का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दादरी में पीजी कॉलेज भवन का निर्माण किया जाएगा और रानीला गांव में जमीन उपलब्ध होने पर गांव को महाग्राम योजना में शामिल किया जाएगा। शहर में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए कालियाना गांव में जल निकासी के लिए दादरी से कलियाणा तक वर्षा जल निकासी का प्रबंध किया जाएगा। दादरी केंद्रीय सहकारी बैंक की फीजिबिलिटी चेक करके उसकी स्थापना की जाएगी। छपार गांव को उपतहसील बनाने की मांग को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना होने के पश्चात छपार गांव को तहसील बनाने का प्रस्ताव कमेटी के पास भेज दिया जाएगा। सारंगपुर राजकीय वमा विद्यालय का नाम शहीद अमित सांगवान के नाम पर किया जाएगा। रणकोली गांव में जमीन उपलब्ध होने पर नए सरकारी आईटीआई व मिनी बस स्टैंड की स्थापना की जाएगी। समसपुर गांव में वृद्धाश्रम का निर्माण करवाया जाएगा। चरखी दादरी में प्ले स्कूलों में आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण व मरम्मत करने का काम किया जाएगा। भागेश्वरी व अचिना गांव में जमीन उपलब्ध करवाने पर खरीद केंद्रों का निर्माण करवाया जाएगा। दादरी हलके में पांच करोड़ की लागत से हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की विभिन्न सडक़ों की मरम्मत की जाएगी। मुख्यमंत्री ने दादरी के सेक्टर में पूर्वमंत्री स्वर्गीय सतपाल सांगवान के नाम पर पार्क बनाने की घोषणा की। इसी प्रकार पूर्वमंत्री सतपाल सांगवान के नाम पर दादरी में खेल स्टेडियम का निर्माण भी करवाया जाएगा।

इन्होंने किया संबोधित

रैली में बाढ़ड़ा से विधायक उमेद पातुवास, विनोद भयाना, पवन खरखौदा, कंवरसिंह यादव, मुकेश शर्मा व पूर्वमंत्री जेपी दलाल ने भी अपने विचार रखे।

बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी के पुनिर्माण की रखी नींव

सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल एवं पूर्व मंत्री स्वर्गीय सुरेंद्र सिंह के अधूरे सपनों को मौजूदा सरकार पूरा करने में लगी है। श्रुति चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री सैनी ने शनिवार को बधवाना डिस्ट्रीब्यूटरी के पुनिर्माण की नींव रखी है। चौधरी बंसीलाल ने 40 साल पहले ये नहर बनवाई थी। इसके बाद आज इसे दोबारा बनवाने का काम शुरू किया गया है, जिस पर 44 करोड़ की राशि खर्च होगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियंत्रण के कार्यों पर दादरी हलका में 23 करोड़ की राशि के काम करवाने का प्रावधान किया गया है।

योग्यतानुसार नौकरियों की नीति अपनाई: विधायक

दादरी के विधायक एवं रैली के आयोजक सुनील सांगवान ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने सरकारी नौकरियों में बिना खर्ची बिना पर्ची की जो नीति लागू की, उसे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आगे बढ़ा रहे हैं। आज कांग्रेस के जो नेता इस पॉलिसी को लेकर सवाल उठा रहे हैं, उसी पार्टी के नेताओं की संतान को राजपत्रित पदों पर नौकरी मिली है। मुख्यमंत्री ने युवाओं के समक्ष नौकरी की केवल एक ही शर्त रखी और वह है उनकी योग्यता व बौद्धिक क्षमता।

मांगों की फीजिबिलिटी चैक करवाकर होगा काम

सीएम ने कहा कि दादरी की 162 किलोमीटर की लंबाई की 105 सड़कों की मरम्मत की जाएगी। वहीं दादरी विधानसभा की 80 किलोमीटर लंबी 23 सड़कों के लिए 233 करोड़ 83 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दादरी विस के 25 किलोमीटर के खेतों के रास्तों को पक्का करने का काम किया जाएगा। दादरी के ग्रामीण विकास के लिए पांच करोड़ रुपये की राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद धर्मवीर सिंह द्वारा रखी सभी मांगों की फीजिबिलिटी चैक करवाकर उन पर काम किया जाएगा।

चौराहों के सौंदर्यीकरण के लिए दो करोड़ रुपये की घोषणा

सीएम सैनी ने दादरी शहर के प्रमुख समसपुर चौक, रावलधी चौक, दादरी बाइपास चौक, बाईपास घिकाड़ा चौक, कल्याण मोड़ चौक, कॉलेज रोड चौक, महेंद्रगढ़ चौक व महेंद्रगढ़ चुंगी चौक के सौंदर्यीकरण के लिए दो करोड रुपये देने की घोषणा की। वहीं शहर में स्मार्ट रोड़ बनाने के लिए रविदास बस्ती से सरदार झाड़ू सिंह चौक, बाल्मीकि बस्ती, बड़वाना गेट से वापस सरदार झाड़ू सिंह चौक, व परशुराम चौक और आदर्श धर्मशाला चौक, ओल्ड कॉलेज रोड के निर्माण के लिए 32 करोड़ 50 लाख रुपये देने की घोषणा की।

चरखी दादरी। द्वादश ज्योतिर्लिंगों एवं भव्य सरोवर (तालाब) का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, साथ में सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी, सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक सुनील सतपाल सांगवान फोटो : हरिभूमि

लोहारू फीडर के पुनर्निर्माण की मांग: सांसद धर्मबीर

भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने दादरी व हांसी दो नए जिलों का निर्माण किया है। सरकार का प्रयास है कि दोनों जिलों में तेजी से विकास हो, इसीलिए दादरी को विकास परियोजनाओं में तवज्जों दी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से लोहारू फीडर का पुनर्निर्माण करवाने का अनुरोध है। सांसद ने कहा कि इस नहर के दोबारा बनने से लोहारू क्षेत्र के किसानों को पर्याप्त पानी मिलने का फायदा होगा।

दादरी बाईपास को किया जाएगा फोरलेन

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि दादरी में न्यायिक परिसर के लिए नए भवन का निर्माण किया जाएगा। दादरी बाईपास को फोरलेन करके चौड़ा किया जाएगा। वहीं तिकोना पार्क से परशुराम चौक तक सड़क का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दादरी विधानसभा की लोक निर्माण विभाग की विभिन्न सड़कों के निर्माण व सुदृढ़ीकरण के लिए 14 करोड़ 47 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की।

ये रहे मौजूद

दादरी रैली में विधायक, अनिल यादव, कपूर वाल्मीकि, भाजपा जिला अध्यक्ष सुनील इंजिनियर, जिला परिषद चैयरमैन मंदीप डालावास, दादरी जिला प्रभारी महेश चौहान, नगर परिषद चेयरमैन बक्शीराम सैनी, वाईस चेयरमैन संदीप फौगाट, उपायुक्त डा मुनीश नागपाल, पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार पी, चेयरमैन सुधीर चांदवास, सत्यव्रत सांगवान, सुरेन्द्र धोनी फौगाट, जिला महामंत्री रविंद्र शिलगर आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

हनुमान मंदिर तेलीवाड़ा में रक्तदान शिविर कल

भिवानी। सोमवार कल 13 अप्रैल को हनुमान मंदिर तेलीवाड़ा जैन चौक में चौधरी बंसीलाल सामान्य अस्पताल की टीम द्वारा रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। शिविर के आयोजक दीपक बवेजा ने बताया की सामान्य अस्पताल के डॉ. हर्ष की अगुवाई में उनकी टीम स्वर्गीय रुपनारायण बवेजा की 5वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन करेगी। शिविर शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा व देवराज मेहता की देखरेख में होगा।

शिविर में 30 युवाओं ने रक्तदान कर महात्मा ज्योतिबा फुले को दी श्रद्धांजलि

लोहारू। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि महापुरुष किसी एक जाति या धर्म के नही होते बल्कि पूरे राष्ट्र के होते हैं। महापुरुषों के आदर्श जीवन में ढाल कर प्रत्येक व्यक्ति समाज और राष्ट्र के उत्थान में योगदान दे सकता है। वे शनिवार को स्थानीय बोहरा धर्मशाला में जन अधिकार कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका चेयरमैन प्रदीप तायल ने की। एसडीएम ने कहा कि युवाओं के सामाजिक बुराइयों से दूर रहते हुए समाज और राष्ट्र के हित में सामाजिक कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहने की जरूरत है। शिविर संयोजक विजय गुरावा ने महात्मा ज्योतिबा फूले के जीवन पर प्रकाश डाला और लोगों को उनके संघर्षों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि 36 बिरादरी के लोगों के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 30 युवाओं ने रक्तदान किया है।

फूले को भारत रत्न देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

विधायक घनश्यामदास सर्राफ का अभिनंदन करते आयोजक।

समाज सुधारक और आधुनिक शिक्षा के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती पर भव्य समारोह का आयोजन किया। हनुमान ढाणी स्थित न्यू सैनी धर्मशाला में सैनी कल्याण परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम में राजनीति, समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत कर महात्मा फूले के आदर्शों को याद किया।

मंच के माध्यम से पदाधिकारियों ने महात्मा ज्योतिबा फूले को भारत रत्न देने की मांग की। समारोह में मुख्यतिथि पूर्वमंत्री एवं विधायक घनश्यामदास सर्राफ व अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने शिरकत की।

समारोह का मुख्य आकर्षण समाज की उभरती हुई प्रतिभाओं का सम्मान रहा। समारोह के दौरान अतिथियों ने कहा कि यह समारोह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा पुंज बनकर उभरा। इस अवसर पर पूर्व प्रधान जगदीशचंद्र सैनी, राजकुमार सैनी, सुभाषचंद सैनी, महेंद्र सिंह सैनी, रमेश सैनी, सुरेंद्र सैनी, सुमित दहिया, राधेश्याम सैनी व फूलसिंह सैनी, सावित्री यादव को सम्मानित किया।

सांसद व विधायकों ने हवाई पट्टी पर मुख्यमंत्री सैनी का किया स्वागत

भिवानी। चौधरी बंसीलाल हवाई पट्टी पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह, भिवानी विधानसभा से विधायक घनश्यामदास सर्राफ, बवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि और भाजपा के जिला प्रधान वीरेंद्र कौशिक सहित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री सैनी दादरी में आयोजित रैली के लिए पट्टी से रवाना हुए। मुख्यमंत्री सैनी कुरुक्षेत्र के गांव बाबैन में आयोजित कार्यक्रम के सम्पन्न होने के बाद हवाई मार्ग से भिवानी हवाई पट्टी पर पहुंचे थे। हवाई पट्टी पर पहुंचने पर सांसद धर्मबीर, विधायक सर्राफ, विधायक कपूर सिंह ने उनका जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सभी का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान महिला एवं बाल विकास तथा सिंचाई जनसंसाधन मंत्री श्रुति चौधरी भी उनके साथ थी। जिला प्रशासन की तरफ से डीसी साहिल गुप्ता ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया

चलो बस्ती चलो गांव अभियान आज होगा शुरू

भिवानी। भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद धर्मबीर सिंह 12 अप्रैल को चलो बस्ती चलो गांव अभियान के तहत विभिन्न गांवों में कार्यक्रमों में शामिल होंगे और नागरिकों को अपना संदेश देंगे। उपायुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार सांसद धर्मबीर सिंह 12 अप्रैल को सुबह 10:15 बजे पर पंचायत भवन के सामने मलिक सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद वे गांव बामला, उमरावत और धारेडू में चलो बस्ती चलो गांव अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

प्रदेश सरकार राज्य में 23196 रुपये न्यूनतम मजदूरी लागू करे: सीटू

भिवानी। मजदूर संगठन सीटू जिला प्रधान कुलदीप बड़वा व जिला सचिव कामरेड अनिल कुमार ने कहा कि छह साल की देरी से राज्य सरकार ने दो दिन पहले मजदूर आंदोलन के दबाव में 15220 रुपये न्यूनतम वेतन की घोषणा की है, ये बेहद कम है। सरकार द्वारा न्यूनतम वेतन को लेकर जो कमेटी बनाई, उसमें सीटू ने तय मापदंडों के आधार पर 30000 रुपये न्यूनतम वेतन की मांग की थी। सरकार द्वारा गठित कमेटी की नौ बैठकें हुई। पानीपत में 29 दिसंबर 2025 को हुई कमेटी की बैठक ने सर्वसम्मति से 23196 रूपये न्यूनतम वेतन के प्रस्ताव को सरकार को भेजा था, लेकिन सरकार ने न्यूनतम वेतन 15200 रुपये करने की घोषणा की। हमारी मांग तो 30000 रुपये वेतन की है लेकिन 29 दिसंबर 2025 को कमेटी की सर्वसहमति से बनी राय के आधार पर 23196 रुपये को तुरंत प्रभाव से लागू किया जाए। मानेसर (गुड़गांव) के कई आटोमोबाईल कपंनियों व गारमैंटस क्षेत्र के हजारों मजदूर पिछले कई दिन से वेतन बढ़ौतरी व अन्य मागों को लेकर शान्तिपूर्वक धरना दे रहे हैं।

वर्तमान की आवश्यकता बन चुकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : डॉ. युद्धवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

टीआईटीएस के सभागार में सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं द्वीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डॉ. बीके बेहरा ने अपने स्वागत उद्बोधन में आधुनिक युग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं कंप्यूटिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। सम्मेलन संयोजक डॉ. ज्योति चौधरी ने सम्मेलन की रूपरेखा एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में यूआईईटी एमडीयू रोहतक से प्रोफेसर डॉ. युद्धवीर सिंह एवं जीजेयूएसएंडटी, हिसार से प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश सांगवान ने अपने विचार सांझा किए।

प्रोफेसर डॉ. युद्धवीर सिंह ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता बन चुकी है, जो शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है। प्रोफेसर डॉ. ओमप्रकाश सांगवान ने कहा कि इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च के माध्यम से ही हम जटिल समस्याओं का प्रभावी समाधान खोज सकते हैं।

महिलाओं को स्वास्थ्य रक्षा के लिए जरूरी पोषण की दी जानकारी

बहल। महिला एवं बाल विकास विभाग ने गांव ओबरा के आंगनवाड़ी केंद्र में रेडिनेस मेला व पोषण अभियान जन आंदोलन पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का संचालन आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सीमा ओबरा ने किया। कार्यक्रम में महिलाओं को स्वास्थ्य रक्षा के लिए जरूरी पोषण की जानकारी दी गई और बच्चों का नामांकन किया। केंद्र परिसर में आयोजित मेले में सुपरवाइजर वंदना मुख्यातिथि रही। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया, उनके हाथों पर स्माइल और सैड टैटू बनाए व ग्लास पिरामिड जैसे रोचक खेल खिलाए गए। मेले में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म की और उन्हें सरकार द्वारा महिलाओं के विकास के लिए लागू की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। महिलाओं को पोषण पखवाड़ा शपथ भी दिलाई, जिसमें सभी ने पोषण मुक्त समाज बनाने , संतुलित आहार अपनाने और स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की बैठक में पोषण व विकास पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया और रेडीनेस मेले का आयोजन किया,जिसमें क्षेत्र की विभिन्न आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर में सुधार, गर्भवती महिलाओं की देखभाल एवं सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करना रहा। इसके अलावा तीन साल से छह साल के बच्चों के दाखिला के लिए प्रेरित किया। बैठक में सुपरवाइजर प्रोमिला, वर्कर पिंकी, महेश व कमलेश आदि ने बताया कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर बच्चों को मिलने वाले पोषाहार की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने बारे जागरूक किया। इसके साथ ही गर्भवती व धात्री महिलाओं को समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और पोषण संबंधी जानकारी उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में बच्चों का नियमित वजन एवं स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करें। कुपोषण से ग्रसित बच्चों की पहचान कर उन्हें विशेष देखभाल और उचित आहार उपलब्ध करवाया जाए।

सौगात नहीं रहेगी शहर में कोई गली कच्ची : भवानी

नगर पारिषद ने तीन कॉलोनियों के लोगों को करीब एक करोड़ रुपये की सौगात दी

- विकास के लिए रुपये की कमी नहीं : भवानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। गली का नारियल फोड़कर शुभारंभ करते नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह। फोटो : हरिभूमि

शनिवार को नगर पारिषद ने तीन कॉलोनी के लोगों को करीब एक करोड़ रुपये की सौगात दी। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने तीन कॉलोनियों में छह गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। इन गलियों के निर्माण पर करीब एक करोड़ रुपये की लागत आएगी। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व अन्य पार्षदों के साथ सुबह करीब दस बजे कॉलोनी में पहुंचे। उन्होंने नारियल फोड़कर उक्त गलियों का निर्माण शुरू करवाया। इस मौके पर पार्षद अनिल कुमार, पार्षद सुभाष तंवर, रोहतास वर्मा, सुरेश निकू, प्रदीप शर्मा, जयबीर रंगा, सुखबीर, रमेश, श्याम सुंदर, मीनाक्षी देवी, कांता देवी सहित अनेक महिला व पुरुष मौजूद रहे। उल्लेखनीय हैं कि अभी तक नगर परिषद ने करीब साढ़े तीन सौ गलियों का निर्माण कार्य पूरा करवा दिया हैं। वहीं ढाई सौ गलियों का निर्माण कार्य अभी चल रहा है। इन गलियों का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद शहर में कोई गली कच्ची नहीं रहेगी। नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह के खुले दरबार में लोगों ने वार्ड संख्या 18 के लोगों ने गलियों की समस्या रखी थी, जिस पर इन गलियों का कार्य शुरू करवाया गया है। लोगों ने बताया कि सीवर का पानी की सही ढंग से निकासी नहीं हो पा रही,जिस वजह से गंदा पानी गली व सड़कों पर फैल रहा है। लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। इस पर नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने पब्लिक हेल्थ के अधिकारियों को समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

छह गलियों का काम शुरू करवाया

नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि बालाजी कॉलोनी,परशुराम कॉलोनी,काठ मंडी में करीब एक करोड़ की लागत से बनने वाली छह गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया। इन गलियों का निर्माण कार्य शुरू होने के बाद शहर में कोई भी गली कच्ची नहीं रहेगी। रस दौरान लोगों ने सीवर की समस्या की शिकायत की थी।जिसका मौके पर ही समाधान करवा दिया गया हैं।

26 माताओं को बांटे एलआईसी के बॉन्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। बेटियों की माताओं को बौंड भेंट करते पार्षद प्रदीप कौशिक व पार्षद शिवकुमार।

दुर्गा कॉलोनी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा उपायुक्त साहिल गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबू लाल करवा, डीपीओ वैशाली डब्ल्यूसीडीपीओ किरण के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर विभाग की महत्वाकांक्षी योजना आपकी बेटी-हमारी बेटी के तहत लाभार्थियों को एलआईसी के बौंड वितरित किए। मुख्यतिथि के रूप में वार्ड नंबर 19 के पार्षद शिवकुमार, वार्ड नंबर 20 के पार्षद प्रदीप कौशिक और वार्ड नंबर 14 के पार्षद जयवीर रांगा ने शिरकत की और बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता आंगनबाड़ी सुपरवाईजर सुजाता ने की। इस दौरान 26 महिलाओं को योजना के बौंड वितरित किए। 2015 से निरंतर चल रही आपकी बेटी-हमारी बेटी योजना के बारे में विस्तार से बताते हुए पार्षदों ने कहा कि सरकार का बेटियों के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक सशक्त माध्यम है।

किसानों ने की मंडी गेट पास की नई शर्तें रद्द करने की मांग

लोहारू। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले करोड़ों रुपयों के बकाया बीमा क्लेम राशि भुगतान की मांग को लेकर 270 दिनों से चल रहे किसानों के अनिश्चितकालीन धरने के दौरान किसानों ने सरकार की मंडियों में खरीद के दौरान गेट पास को लेकर लगाई गई नई शर्तों का विरोध जताया है। किसानों ने सरकार ने गेट पास की नई शर्तों को हटाए जाने की मांग की है। किसान नेता नरेंद्र श्योराण ने कहा कि सरकार द्वारा अनाज मंडियों में ट्रैक्टर की नंबर प्लेट की फोटो और संबंधित किसान की बायोमेट्रिक मशीन से वेरिफिकेशन से गेट पास जारी होने में बड़ी दिक्कत आ रही है और कई बार सर्वर डाउन होने पर गेट पास नहीं बन रहा। सरकार से इन नई शर्तों को रद्द करने और पुराने सिस्टम से खरीदारी करने की मांग करते हैं।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
आर्यन कोचिंग
स्याई एकेडमी (विश्वास का दूसरा नाम)
12वीं के बाद सरकारी नौकरी
नया बैच आरम्भ
अग्निवीर SSC रेलवे
हरियाणा पुलिस हरियाणा ग्रुप-डी CET
AIRFORCE NAVY ARMY
पता : बस स्टैंड के पास, चरखी दादरी
9050035973, 9812611926

।। जय बाबा नागा की ।।

।। सा विद्या या विमुक्तये ।।

VIKAS HIGH SCHOOL

Rajgarh (Bhiwani)

Mob. : 9813200525, 9671009569

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

Nur. to 10th English Medium School

जिले व राज्य में लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला एकमात्र स्कूल

हरियाणा गौरव अवार्ड से विकास स्कूल के प्रधानाचार्य को दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सम्मानित किया।

14 दिसम्बर 2025 को मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने विकास स्कूल के प्रधानाचार्य को हरियाणा गौरव अवार्ड से सम्मानित किया।

भिवानी के गौरव अवार्ड से विकास स्कूल सचिव नरेन्द्र सिंह को सांसद श्री धर्मबीर सिंह ने सम्मानित किया

सिल्वर जोन ओलंपियाड द्वारा विकास स्कूल को एक्सीलेंस इन एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया

छात्रा प्रांजल D/o कृष्ण बेटियों का सम्मान कार्यक्रम में छात्रा प्रांजल को सांसद श्री धर्मबीर सिंह द्वारा सम्मानित किया गया

Deepika
D/o Sh. Dinesh
सैनिक स्कूल में चयन

Neha
D/o Sh. Shri Bhagwan
सत्र 2025-26 में
नवोदय स्कूल में चयन

Sachin
S/o Sh. Mahender
सत्र 2025-26 में
नवोदय स्कूल में चयन

Nikkee
D/o Sh. Rajpal
रामायण महाभारत प्रतियोगिता में
जिले में तृतीय स्थान

Kashish
D/o Sh. Sandeep Kumar
रामायण महाभारत प्रतियोगिता में
जिले में तृतीय स्थान

Riya
D/o Sh. Sunil Kumar
डाक विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में
राज्य स्तर पर छात्रवृति

हिन्दी व्याकरण प्रतियोगिता में स्टेट टॉपर विनय को सम्मानित करते हुए एग्जाम कंट्रोलर श्री राय सिंह जी

हरियाणा गौरव पुरस्कार प्रतियोगिता में स्टेट टॉपर आदित्य को सम्मानित करते हुए एग्जाम कंट्रोलर श्री राय सिंह जी

Yashvi
D/o Sh. Sumer Singh
डाक विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में
राज्य स्तर पर छात्रवृति

Dharmender Singh
S/o Sh. Harswaroop Singh
डाक विभाग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में
राज्य स्तर पर छात्रवृति

We Congratulate all these Students for their Best Achievements and Hope for their Bright Future...

What you dream, we create

ADMISSION OPEN 2026

Nur. to 10th

What your desire, we fulfill

What you expect, we deliver

Path to SUCCESS

A name of trust VIKAS HIGH SCHOOL

हमारा संकल्प :- विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा प्रदान कर उन्हें सुसंस्कारी एवं सद्चरित्रवान बनाना।

"अब आपके बच्चे के भविष्य का फैसला आपके हाथ में"

So don't wait and get your ward enrolled right now

Principal

सत्र 2025-26 में राज्य व जिले में विभिन्न प्रतियोगिता में पुरस्कार पाने वाले विद्यार्थी

Dharmender
Rajgarh

Riya
Dhirana

Dipika
Sarangpur

Yashvi
Rajgarh

Muskan
Dhirana

Kanak
Roopgarh

Riya Kaushik
Rajgarh

Ayushi
Rajgarh

Mohini
Rampura

Tamnna
Devsar

Madhu
Dhirana

Aman
Haluwas

Pridhi
Rampura

Parvesh
Dhani Janga

Saurav
Sarangpur

Bhoomika
Dhirana

Tamnna
Dhirana

Sakshi
Rampura

Khushi
Haluwas

Prince
Bhiwani

Vanshika
Dhirana

Harsha
Dhirana

Samrath
Nawa ki Dhani

Urvi
Devsar

Aditya
Devsar

Akshita
Rajgarh

Yash
Rajgarh

Sarika
Nawa ki Dhani

Pranshu
Nawa

Keshav
Nawa

Aayu
Rajgarh

Bhumi
Rajgarh

Lakshay
Sarangpur

Yuvika
Rampura

Kunal
Nawa

Bhuvi
Bhiwani

Jitesh Kashana
Dhani Janga

Hani
Dinod

Khushbu
Dhirana

Vinay
Rajgarh

Komal
Rampura

Nikkee
Rajgarh

Sakshi
Rajgarh

Rashi
Nawa ki Dhani

Pooja Joshi
Bhiwani

Harshit
Rajgarh

Anshika
Rajgarh

Laxmi
Rampura

Palak
Roopgarh

Chanchal
Rajgarh

Dev
Nawa

Hanshika Punia
Dhirana

Manvi
Dinod

Ankita
Sarangpur

Geetanshi
Devsar

Shivnaya
Rampura

Disha
Bhiwani

Hitesh
Dhirana

Harshita
Haluwas

Anshu
Rajgarh

Anusha
Rajgarh

Ayush
Pahladgarh

Harshit
Nawa ki Dhani

Bhumi
Malwas

Anvi
Dhana

Vansh
Rajgarh

Dipanshi
Dhirana

Ashma
Rajgarh

Khushi
Roopgarh

Khushi
Devsar

Sanskar
Devsar

Sanni
Nawa

Rijash
Govindpura

Udita
Sarangpur

Hanni
Bhiwani

Nirbhay
Devsar

Shourya
Roopgarh

Tamanna
Puranpura

Aarvi
Puranpura

Next You

We Congratulate all these Students for their Best Achievements and Hope for their Bright Future...

विशेषः विश्व विरासत दिवस 18 अप्रैल

हमारे अतीत की पहचान, मानवीय सभ्यता की निशानियां, ऐतिहासिक धरोहरें हम सभी का गौरव हैं। लेकिन आपदाओं और मानवीय संघर्षों से इनके अस्तित्व पर भी संकट मंडराने लगा है। ऐसे में विश्व विरासत दिवस की इस वर्ष की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवंत विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया'-अत्यंत सामयिक है। हम सभी को विरासतों के संरक्षण के लिए संकल्पित होना चाहिए।

संघर्षों-आपदाओं के इस दौर में लें विश्व धरोहरों के संरक्षण का संकल्प

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

बीते कुछ वर्षों से विश्व भर में कई जगहों पर युद्ध और संघर्ष की भयावह स्थिति बनी हुई है। प्राकृतिक और मानवकृत आपदाएं भी अपने चरम पर हैं। आज दुनिया जिस मोड़ पर खड़ी है, वहां केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि हमारी सदियों पुरानी पहचान, हमारी विरासत भी खतरे में है। इस वर्ष विश्व धरोहर दिवस की थीम हमें याद दिलाती है कि जब जानलेवा और विध्वंसक मिसाइल और बम गिरते हैं या नदियां, सागर उफनते हैं, पहाड़ दरकते हैं, तो केवल इमारतें नहीं ढहतीं, बल्कि एक सभ्यता की आत्मा घायल होती है। ऐसे में हमारी सदियों पुरानी अनमोल धरोहरों का संरक्षण, चिंता का बड़ा विषय बन गया है। ये विरासतें कई प्रकार की हैं, धार्मिक, सांस्कृतिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक और जीवंत। ये हमारी पहचान हैं। ये हमारे पूर्वजों, महापुरुषों और विद्वानों की स्मृति के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी के लिए एक दस्तावेज जैसी हैं, जिन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है।

जीवंत विरासत का अर्थ

'जीवंत विरासत' का मतलब सिर्फ पत्थर की दीवारें नहीं होती हैं। इसमें हमारी लोक कथाएं, पारंपरिक संगीत, हस्तशिल्प और वे त्योहार भी शामिल होते हैं, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलते आ रहे हैं। संघर्ष के समय जब लोग विस्थापित होते हैं, तो ये 'अमूर्त विरासत' ही उन्हें अपनी जड़ों से जोड़े रखती हैं। इन्हें बचाना मानवीय गरिमा को बचाने जैसा है। जाहिर है, यह थीम केवल इमारतों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि 'लिविंग हेरिटेज' यानी हमारी परंपराओं, लोक कलाओं, भाषाओं और उत्सवों पर जोर देती है, जो मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग हैं।

हेरिटेज का डिजिटलाइजेशन

आपदाओं में भौतिक नुकसान की भरपाई संभव नहीं होती, इसलिए आधुनिक तकनीक (3डी मैपिंग, क्लाउड स्टोरेज) के जरिए विरासत का डिजिटल रिकॉर्ड रखना अनिवार्य हो गया है ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण किया जा सके। भौतिक रूप से नष्ट हुई विरासत को दोबारा जीवित करने का एकमात्र तरीका 'डिजिटल ट्विन' तकनीक है। 3डी लेजर स्कैनिंग और ड्रोन मैपिंग के जरिए हर बारीक नक्काशी का रिकॉर्ड रखना अब जरूरत बन गई है, ताकि भविष्य में पुनर्निर्माण सटीक हो सके।

दोहरे खतरों की पहचान

वर्तमान में दुनिया भर में विरासत दो प्रमुख मोर्चों पर खतरे में हैः पहला, मानव निर्मित सशस्त्र संघर्ष (युद्ध) और दूसरा, प्रकृति जनित जलवायु परिवर्तन व आपदाएं (बाढ़, भूकंप, आग)। बदलते मौसम, अनियंत्रित बाढ़ और भूकंप ने कई प्राचीन शहरों को मलबे में बदल दिया। इसलिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन की योजना में ऐतिहासिक स्मारकों को भी प्राथमिकता दी जाए, ताकि मलबे के साथ इतिहास न दफन हो जाए।

सांस्कृतिक पहचान पर न हो प्रहार

युद्ध और संघर्ष के दौरान अकसर सांस्कृतिक प्रतीकों को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है ताकि किसी समुदाय की पहचान और मनोबल को तोड़ा जा सके। जब युद्ध और सशस्त्र संघर्ष का क्रूर प्रहार होता है तो सांस्कृतिक पहचान पर चोट पहुंचती है। रूस-यूक्रेन से लेकर मध्य-पूर्व (फिलिस्तीन-इजरायल और ईरान-अमेरिका) तक के मौजूदा संघर्षों में हमने देखा है कि ऐतिहासिक संग्रहालयों और पुस्तकालयों को निशाना बनाया गया। इस वर्ष की थीम का मुख्य उद्देश्य, युद्ध क्षेत्रों में इन संपत्तियों को (नो-वॉर जोन) के रूप में मान्यता दिलाना और उनके विनाश को 'युद्ध अपराध' के रूप में कड़ाई से लागू करना है। थीम इसके विरुद्ध एक सुरक्षा कवच तैयार करने की वकालत करती है।

त्वरित प्रतिक्रिया की आवश्यकता

विरासत के संरक्षण के लिए त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना जरूरी है, जैसे आग लगने पर फायर ब्रिगेड पहुंचती है, वैसे ही विरासत के लिए 'कल्चरल फर्स्ट एड' की जरूरत होती है। इसमें विशेषज्ञों की ऐसी टीमें शामिल होनी चाहिए, जो संकट के पहले 48 घंटों में कीमती पुरावशेषों को सुरक्षित स्थान पर ले जा सकें या उन्हें प्रोटेक्ट कर सकें। आपदा के समय जिस तरह इंसानी जान बचाने के लिए 'फर्स्ट रिस्पॉन्स' टीम होती हैं, उसी तरह विरासत को बचाने के लिए भी एक त्वरित कार्य योजना और प्रशिक्षित विशेषज्ञों की जरूरत होती है।

स्थानीय समुदायों की भूमिका

विरासत का असली संरक्षक वह समुदाय है, जो वहां रहता है। संघर्ष के समय स्थानीय लोगों को 'हेरिटेज वॉरियर्स' के रूप में प्रशिक्षित करना सबसे प्रभावी बचाव साबित होता है।

नीतिगत सुधार की जरूरत

सरकारों को अपनी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन नीतियों में 'विरासत संरक्षण' को एक अनिवार्य अध्याय के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। अवैध तस्करी पर लगाम लगाने की भी जरूरत है। अकसर देखा गया है कि संघर्ष और अस्थिरता के दौरान प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी बढ़ जाती है। थीम का एक हिस्सा यह भी है कि आपातकालीन स्थिति में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सांस्कृतिक संपदा की निगरानी सख्त की जाए।

भविष्य की तैयारी

इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि विरासत को बचाना केवल अतीत का सम्मान नहीं है, बल्कि अनिश्चित भविष्य के लिए अपनी जड़ों को सुरक्षित रखना है। संकट के समय विरासत बचाने के लिए भारी धन की आवश्यकता होती है। यूनेस्को और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को एक 'इमरजेंसी हेरिटेज फंड' को और मजबूत करना होगा, ताकि गरीब और विकासशील देशों की विरासत को संसाधनों के अभाव में नष्ट होने से बचाया जा सके।

नागरिक भी बनें जागरूक

विरासत की रक्षा एक सरकारी जिम्मेदारी से बढ़कर एक नागरिक कर्तव्य भी है। शिक्षा और मीडिया के माध्यम से युवाओं को यह समझाना होगा कि अगर हमारी विरासत मिट गई, तो हमारे पास आने वाली पीढ़ियों को सुनाने के लिए कोई कहानी नहीं बचेगी। लोगों को बताना होगा कि विरासत की रक्षा कोई 'सॉफ्ट टारगेट' नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक शांति का हिस्सा है। संघर्ष थमेंगे और आपदाएं बीत जाएंगी, लेकिन जो विरासत हम खो देंगे, वह कभी वापस नहीं आएगी। समय आ गया है कि हम अपनी पहचान को बचाने के लिए 'रिएक्टिव' होने के बजाय 'प्रोएक्टिव' बनें। *

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

युद्ध क्षेत्रों में सांस्कृतिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए 'हेग कन्वेंशन' और 'ब्लू शील्ड' जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का सख्ती से पालन करना समय की मांग है। जब कोई समुदाय युद्ध या आपदा से उबरता है, तो अपनी परंपराओं (जैसे सामूहिक नृत्य या उत्सव) को फिर से शुरू करना उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए मरहम का काम करता है। विरासत केवल बीता हुआ कल नहीं, बल्कि भविष्य की आशा है। आपदा या युद्ध के बाद जब लोग अपनी परंपराओं और उत्सवों (लिविंग हेरिटेज) की ओर लौटते हैं, तो यह सामाजिक एकजुटता को वापस लाने में मदद करता है।

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने,
कितना दर्द सहा होगा।
आंखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा।
अपने आतुर अरमानों को
ढांढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा,
उतनी बार ढहा होगा।
राग से विमुखता होने पर,
मन होता है वैरागी
सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा।
जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा।

व्यंग्य / भूपेंद्र भारतीय

विचारक बनने की हवा

भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है।

भिया इन दिनों विचारक बनने की यात्रा में हैं। चुनाव दूर है तो यही कर लिया जाए। ऐसा भिया के मन में विचार उमड़ा। विचार क्या, यह भिया के लिए क्रांतिकारी कदम जैसा है। अब तक माला, माइक, मंच व फोटो की ही हवा चल रही थी, लेकिन विचारों की हवा का अभाव था! भिया को फिर विचार आया कि इन सभी के साथ मुझे एक बड़ा विचारक भी होना चाहिए। जनता बात-बात में माइक पकड़ा देती है। ऐसे में बिना विचार के विचारक कैसे बन सकते हैं? मंच का संचालन करने वाला तो दो शब्द कहने को ही कहता है लेकिन वे दो शब्द मंच से जनता तक पहुंचाने में बड़ी मशक्कत करनी होती है। कभी-कभी तो विचारों के आभाव में एक शब्द भी नहीं निकलता। सिर्फ हवा ही माइक से निकलती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखकर भिया आजकल विचारक बनने के लिए लंबी-लंबी चिंतन बैठकें कर रहे हैं। कई-कई कप चाय सुड़कते हुए, सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए कागज-कलम के साथ विचारक बनने की प्रैक्टिस करने लगे हैं।

मगर विचारक बनने की इस बेचैनी में एक तरफ विचार है कि आ नहीं रहे हैं और कार्यकर्ता भिया के लिए नए-नए मंच तैयार कर रहे हैं। भिया के विचारक बनने की हवा चलाने के लिए क्षेत्र में पहले से धंसी पड़ी कुछ संस्थाओं को पुनर्जीवित किया गया और कुछ नई संस्थाओं का निर्माण किया गया। कार्यकर्ता जी-जान से भिया के विचारक बनने की हवा बनाने लगे और इधर अभी भिया पक्के विचारक बने ही नहीं और कार्यकर्ताओं ने 'भ्रष्टाचार हटाओ अभियान' कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भिया का नाम लिखा दिया। भिया चिंतित हैं कि अब इस विषय पर मैं क्या बोलूं? यह विषय तो मेरी विपरीत धारा का है। अब तक तो भ्रष्टाचार के मामलों में हम घिरते ही आए हैं और अब इस पर विचार कैसे रखूं? इस विचित्र मामले में कैसे हवा बनाऊं? यह कैसे संभव होगा। बस, फिर क्या था! भिया को भी विपरीत परिस्थिति ने ही मार्ग दिखाया। जैसे बड़े नेता विपरीत परिस्थितियों में ही अपनी छवि को और अच्छे से चमका लेते हैं। भिया ने भी झट से अवसर को लपक लिया।

ऐसी विपरीत परिस्थिति में नए-नए विचार आने लगे, उन्हें लगने लगा। विचारक बनने की हवा शुरू हो गई है। भिया अपने विषय की भूमिका बनाने लगे। भ्रष्टाचार हटाओ अभियान सिर्फ नारा नहीं, हमारे क्षेत्र व जनता के लिए एक क्रांति लाने वाला है। ऐसे अजीबो-गरीब विचार भिया के मन में गुड़गुड़ाने लगे। भिया का मन मंच की ओर जाने के लिए तड़फड़ाने लगा। शब्द विचार बनने को बेताब होने लगे, भिया का विचारक व्यक्तित्व अवतरण लेने लगा। दुनिया को एक और विचारक मिलने वाला है। यह विचारों की क्रांति है। इससे पहले भिया चुनावों में बड़ी-बड़ी हवा बना चुके थे। विकास की हवा चलाने में भिया से बड़ा नेता आज तक उनके क्षेत्र में कोई दूसरा आया ही नहीं। शिक्षा विभाग से लेकर राजस्व विभाग तक ऐसा कोई मलाईदार विभाग भिया की टीम से छूटा नहीं, जिसमें भिया ने चुनाव जीतने के छः माह बाद ही अपनी हवा नहीं चलाई हो। लिफाफे की हवा, फिक्स रेट की हवा, ट्रांसफर की हवा, खदान लेने की हवा, ठेका देने की हवा, सरकारी नौकरी देने की हवा जैसी सैकड़ों हवाएं हैं, जो क्षेत्र में निरंतर पांच साल चलती रहीं। भिया की जीत से छः माह के बाद ही अधिकांश विभाग उनकी हवा से महकने लगे।

ऐसे ही विचार भिया के मन में क्रांति की हवा बनाने लगे। भिया को विचारक बनने की हवा धीरे-धीरे आने लगी। इस हवा को और बड़ा करने में कार्यकर्ता सोशल मीडिया का सहारा लेने लगे। जेन-जी को इस हवा से जोड़ने की कोशिश की जाने लगी।

धीरे-धीरे विचारक बनने की हवा सभी ओर फैलने लगी। सुबह जैसे ही भिया घर से क्षेत्र के लिए निकलते उनकी लग्जरी कार में लगे हूटर से उनके विचारक होने की हवा चलने लगती। फेसबुक पर जनता के नाम संदेश देने में बड़े विचारक होने की हवा का हल्ला रहता।

इधर धीरे-धीरे ऑनलाइन मीटिंग में भी भिया विचारक सिद्ध होने लगे। अपने दल में उनकी हवा बढ़ने लगी। वे एक बुद्धिजीवी की श्रेणी में आ गए। विचारक बनने की हवा ने बड़ा काम कर दिया। भिया विचारक की हवा से राजनीति में लंबा उड़ने की सोचने लगे। अपने दल की ओर से प्रवक्ता बनकर राष्ट्रीय मीडिया में बैठकर राष्ट्रीय स्तर पर हवा चलने के सपने आने लगे। भिया के चेले-चपाटे उनके लिए नए-नए मंचों का निर्माण करने लगे। विचारक बनने की हवा क्षेत्र में तीव्र गति से चलने लगी। पुराने विचारक और बुद्धिजीवी चिंतित होने लगे। भिया की विचारक बनने वाली हवा में पूरा क्षेत्र विकास की ओर अग्रसर होने लगा। *

लघुकथा / सुनील कुमार महला

कर्तव्यबोध

विशाखा एक शहर में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में रहती थी। कॉलोनी के बीचों-बीच एक सुंदर सार्वजनिक पार्क था। चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, रंग-बिरंगे फूल, बच्चों के झूले और फिसलन-पट्टी उसे जीवंत बनाते थे। सुबह-शाम कॉलोनी के बच्चे, बुजुर्ग और परिवार के लोग वहां टहलने, बैठकर बातें करने और समय बिताने आया करते थे। गर्मियों के दिन शुरू हुए तो किसी संवेदनशील व्यक्ति ने पक्षियों के लिए पेड़ों पर सात-आठ परिंडे (मिट्टी के बर्तन) टांग दिए। पार्क के एक कोने में दाना चुगने का स्थान भी बना था, जहां तोते, कबूतर, कौवे, गौरैया और मैना आदि पक्षी आकर दाना चुगते थे। जब भीषण गर्मी पड़ने लगी तो कुछ ही दिनों में उन परिंडों का पानी सूख गया। लोग रोज पार्क में आते, घूमते, बातें करते, बच्चे खेलते, लेकिन किसी की नजर उन सूखे परिंडों पर नहीं ठहरती। विशाखा की नजर भी कई बार उन पर पड़ती, लेकिन फिर भी उसने इस ओर ध्यान देने की जरूरत नहीं समझी। मन में बस यही विचार आता-यह काम मेरा अकेले का नहीं है, कॉलोनी में और भी तो लोग हैं। एक दिन उसका बेटा अमन पार्क में खेलते-खेलते उन परिंडों के पास पहुंच गया। उसने देखा कि वे पूरी तरह सूखे पड़े हैं। घर आकर उसने अपनी मां से कहा, 'मम्मा, पार्क में पक्षियों के परिंडों में कई दिनों से पानी नहीं है।' विशाखा ने सहज भाव से उत्तर दिया, 'कॉलोनी में इतने लोग हैं, क्या सिर्फ हमारी ही जिम्मेदारी है इन्हें भरने की?' अमन ने शांत स्वर में कहा, 'मम्मा, जिम्मेदारी सबकी होती है, लेकिन सब कुछ जानते हुए भी उसे निभाने से बचना सबसे बड़ी गलती है।' बेटे की बात सुनकर विशाखा कुछ पल के लिए मौन रह गई। उसे आभास हुआ, कभी-कभी छोटे बच्चे भी हमें बड़ा सच सिखा देते हैं। विशाखा को अपने कर्तव्यबोध का अहसास हो चुका था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

जब आदिवासी गाता है

पुस्तकः जब आदिवासी गाता है (कविता संग्रह), रचनाकारः जमुना बीनी, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः राधाकृष्ण पेपरबैक्स, दिल्ली

भारत के पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से आने वालीं लेखिका जमुना बीनी का कविता संग्रह 'जब आदिवासी गाता है' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। यहां, कहीं आदिवासी जीवन की त्रासदी का स्वर सुनाई पड़ता है, *'जिनको उखड़ना/ पड़ता है/ बार-बार/ अपनी जड़ों से/ उनके लिए/ वाकई/ भविष्य शब्द के/ क्या मायने हैं?'* (भविष्य)। तो कहीं प्रकृति से दूर किए जाने का दर्द भी छलकता है, *'पहाड़-पृथ्वी के प्राचीन वासी/ हमारे पुरातन संगी/ अलग नहीं कर सकते हम/ उनसे खुद को।'*(पहाड़ और आदिम निवासी)। कुछ कविताओं में आधुनिक जीवन में डिजिटल संक्रमण से पसरती संवेदनशून्यता को भी कवयित्री ने कटघरे में खड़ा किया है। इसकी बानगी इन पंक्तियों में देखी जा सकती है। *'निश्चय ही/ हमारी संवेदनाएं/ जंग खाती जा रही हैं/ वीभत्स में/ लोग अब/ लेने लगते हैं स्वाद'*(डर)। और *'जितना ज्यादा चॉइस/ उतनी अधिक कशमकश/ चॉइस की भरमार/ इनसान को/ उलझाते/ और/ भरमाते ज्यादा/ सुलझाते कम।'* (टेलिविजन चैनल)। *

{ पर्यटन स्थल / समीर चौधरी }

वैसे तो समुद्र तट का नैसर्गिक नजारा हर नेचर लवर को आकर्षक लगता ही है। लेकिन दुनिया के कुछ समुद्र तट इतने विशाल-लाजवाब हैं कि दूर-दूर से पर्यटक इन्हें निहारने आते हैं। शांत, खुले तट से लेकर स्थानीय जीवन से भरे हुए ये समुद्र तटीय क्षेत्र प्रकृति को अपने सबसे प्रभावी रूप में पेश करते हैं। ऐसे ही कुछ खूबसूरत और विशाल सी बीचेज के बारे में आप भी जानिए।

लाजवाब-खूबसूरत नजारा पेश करते
दुनिया के ये समुद्र तट

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया

नाइंटी माइल बीच ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में स्थित है, जो 151 किमी. में फैला हुआ है और व्यस्त शहरी जीवन के विपरीत सुकून और शांति भरे लम्हों का यादगार अनुभव प्रदान करता है। इसका तट ऐसा प्रतीत होता है, जैसे कभी खत्म ही न होगा। तट के बीच-बीच में रेत के टीले, छोटी झीलें और संरक्षित वाटर रिजर्व आपको देखने को मिल जाएंगे। तट का पानी एकदम स्वच्छ है, जिससे तैराकों और मछुआरों के लिए यह पसंदीदा स्थल बन जाता है। हालांकि इसका नाम नाइंटी माइल है लेकिन इसके विपरीत यह 90 मील से अधिक लंबा है। इसके शांतिपूर्ण एकांत में गजब का आकर्षण है। *

प्राया डो कैस्सिनो ब्राजील

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील के दक्षिणी तट पर प्राया डो कैस्सिनो, दुनिया का सबसे लंबा समुद्र तट है, जो लगभग 254 किमी. तक फैला हुआ है। इसकी प्रभावी लंबाई रिओ ग्रांडे बंदरगाह से शुरू होकर उरुग्वे की सीमा तक जाती है। यह क्षेत्र अपने दूर तक फैले रेत, समुद्र के किनारे जीवंत शहरों और अकसर समुद्र के किनारे धूप सेंकते सी लायंस की मौजूदगी के लिए विख्यात है। यह सी बीच, स्थानीय लोगों की पसंदीदा जगह है, जहां लोग लांग ड्राइव, तटीय फिशिंग और ठंडी हवा में वॉक करना खूब पसंद करते हैं। *

पद्रे सी आईलैंड बीच अमेरिका

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में टेक्सास के तट पर पद्रे द्वीप है, जोकि संसार का सबसे लंबा बैरियर द्वीप है। यह वन्यजीवों का अभयारण्य है, जिसमें दुर्लभ सी टर्टल और समुद्री पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां पाई जाती हैं। पद्रे आइलैंड नेशनल सी-शोर लगभग 112 किमी. लंबा है। इस बीच को नम हवा भरे वातावरण और वन्यजीवों के कारण विशेष रूप से पसंद किया जाता है। पर्यटक अकसर यहां कैंपिंग करने, पक्षियों को देखने और खाड़ी के किनारे वाक के लिए आते हैं। *

कॉक्स बाजार सी बीच बांग्लादेश

बांग्लादेश में स्थित कॉक्स बाजार बीच पर अकसर इस बात का जश्न मनाया जाता है कि यह संसार के सबसे लंबे प्राकृतिक समुद्र तटों में से एक है। बंगाल की खाड़ी में इस तट की लंबाई 120 किमी. है। इसके तट पर अनोखी चट्टानें, मुलायम रेत और जीवंत स्थानीय संस्कृति के दर्शन होते हैं, जो फिशिंग और पर्यटन के लिए फेमस हैं। जब दूर इसके क्षितिज में सूरज पानी में डूबता दिखता है, तो पूरा बीच दिल को अनोखा सुकून देने वाले रंगों से चमक उठता है। *

नाइंटी माइल बीच न्यूजीलैंड

ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड के एक समुद्र तट का नाम भी नाइंटी माइल बीच है, लेकिन इसकी लंबाई 88 किमी. है, जो इसके नाम से दो किलोमीटर कम है। अपनी अनोखी सुंदरता से यह पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। ऐसे प्रमाण मिलते हैं कि अतीत में इसे हॉर्स राइडिंग के लिए इस्तेमाल किया जाता था। अब इसे एडवेंचर एक्टिविटीज के लिए यूज किया जाता है। यहां मौजूद सरफिंग स्पेस और रेत के ऊंचे-ऊंचे टीले इसे बहुत आकर्षक बना देते हैं। *

बैंकूवर द्वीप लांग बीच कनाडा

कनाडा के बैंकूवर द्वीप के पश्चिमी तट पर लांग बीच स्थित है। यह सिर्फ 16 किमी. लंबा है, जिससे यह काफी छोटा सी बीच माना जाता है, लेकिन इसके बावजूद यह उत्तरी अमेरिका महाद्वीप के सबसे सुंदर सी बीच में शामिल है। इसके दूर तक फैले समतल रेतीले समुद्र तट सभी को आकर्षित करते हैं। यह बीच कनाडा के संरक्षित राष्ट्रीय पार्क का हिस्सा है। यह बीच कोहरे भरी सागर तटीय सुबह और सरफिंग के लिए विख्यात है। *

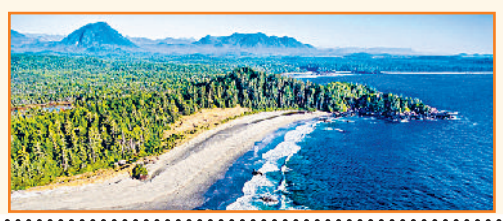

अपनाएं ये गोल्डेन रूल्स संवारें अपना सुनहरा भविष्य

सुनहरे भविष्य के लिए उचित दिशा में सही सही रणनीति के साथ मेहनत करना तो जरूरी है ही। साथ ही अगर कुछ गोल्डेन रूल्स को फॉलो किया जाए तो सफलता पाने की राह आसान हो जाएगी। ऐसी ही कुछ छोटी बातें आप भी अपने जीवन में अपना सकते हैं।

{ सेल्फ इंप्रूवमेंट / अंजू जैन }

कई बार कड़ी मेहनत के बावजूद हमें वे परिणाम नहीं मिल पाते, जो हम चाहते हैं। विश्व प्रसिद्ध विचारकों के अनुभव बताते हैं कि सफलता का असली राज हमारी सोच, कर्मठता और भावनाओं में छिपा होता है। हम अपने भाग्य के स्वयं विधाता हैं। यदि हम अपनी आंतरिक भावनाओं को सुधार लें, तो बाहरी परिस्थितियां अपने आप बदलने लगती हैं।

पहचानें अपनी भावनाएं: हमारी भावनाएं और वाइब्रेशंस हमारे जीवन के अनुभवों को निर्धारित करती हैं। हम जो महसूस करते हैं, वही हम अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अगर हम सकारात्मक भावनाओं (जैसे खुशी, प्रेम, उत्साह) पर ध्यान केंद्रित करें, तो हम अपने जीवन में सकारात्मक परिणाम ला सकते हैं। इसके विपरीत, नकारात्मक भावनाएं (जैसे डर, गुस्सा, निराशा) नकारात्मक अनुभवों को आकर्षित करती हैं।

जब तक हम अपने लक्ष्य के प्रति उत्साहित महसूस नहीं करेंगे, तब तक वह हकीकत नहीं बनेगा। बेस्ट सेलर पुस्तक 'एक्सक्यूज मी, योर लाइफ इज वेटिंग' की लेखिका लिन ग्रैबहॉर्न कहती हैं, 'ब्रह्मांड में हर चीज एक ऊर्जा या फ्रीक्वेंसी पर काम करती है। यदि आप लगातार डर, चिंता या कमी के बारे में महसूस करते हैं, तो आप अनजाने में वैसी ही स्थितियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे होते हैं। अपनी फ्रीक्वेंसी बदलने का मतलब है, अपनी आंतरिक स्थिति को बदलना।'

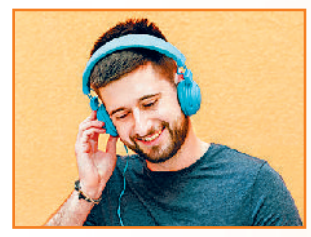

कमी के बजाय संभावनाओं पर ध्यान दें: ज्यादातर लोग इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हैं कि उनके पास क्या 'नहीं' है। अनुभवी और सफल लोगों का कहना है कि आप जिस चीज पर अपना ध्यान केंद्रित करेंगे, वह बढ़ती जाएगी। यदि आप अपनी समस्याओं के बजाय समाधान और संभावनाओं पर ध्यान देंगे, तो आपके जीवन में खुशहाली के द्वार खुलेंगे। इसलिए सकारात्मक भावनाओं को महसूस करें। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की भावना को अभी से महसूस करें। उदाहरण के लिए, अगर आप धन चाहते हैं, तो धनी होने की खुशी और आत्मविश्वास को महसूस करें। विश्वास रखें कि ब्रह्मांड आपके इरादों को साकार करने में मदद करेगा।

दबाव में न आएं: जब हम किसी चीज के लिए बहुत ज्यादा कोशिश करते हैं, तो हम अकसर दबाव महसूस करते हैं। यह दबाव नकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है। इसके बजाय, ऐसा महसूस करें जैसे वह लक्ष्य पूरा होने ही वाला है बस, जरा-सी कोशिश और करनी है। यह सहजता ही आपकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। नेपोलियन हिल कहते हैं, 'इंसान का दिमाग जो सोच सकता है और जिसमें विश्वास कर सकता है, उसे वह हासिल भी कर सकता है।'

आभार का जादू इस्तेमाल करें: आभार का जादू केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक शक्तिशाली 'कॉस्मिक टूल' है। जो आपके पास है, उसके लिए आभारी होना आपकी वाइब्रेशन को तुरंत 'उच्च स्तर' पर ले जाता है। प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मैस्टर एकहार्ट के अनुसार, 'यदि आप अपने पूरे जीवन में केवल एक ही प्रार्थना करते हैं, 'धन्यवाद' तो यही काफी है।' यह साधारण सा शब्द आपके जीवन में अधिक आशाओं और अच्छी चीजों को आमंत्रित करता है।

'एक्सक्यूज मी' कहना सीखें: अकसर हम दूसरों को खुश करने के चक्कर में अपनी मानसिक शांति दांव पर लगा देते हैं। लेकिन उन चीजों या लोगों को 'एक्सक्यूज मी' कह कर आगे बढ़ जाना जरूरी है, जो आपकी ऊर्जा को सोख लेते हैं। ऐसे लोगों को ज्यादा तवज्जो न दें। स्वयं को प्राथमिकता देना स्वार्थ नहीं, बल्कि आपकी वेल बीइंग के लिए जरूरी है।

पहचानें आप क्या चाहते हैं: अपने जीवन में उन चीजों को पहचानें जो आपको पसंद नहीं हैं या जो आपको परेशान करती हैं। इससे आपको स्पष्टता मिलती है कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं। साथ ही यह भी तय करें कि आप क्या नहीं चाहते हैं। स्पष्ट रूप से यह निर्धारित करें कि आप अपने जीवन में क्या हासिल करना चाहते हैं, जैसे खुशी, सफलताएं या बेहतर रिश्ते। जिन चीजों से परेशानी होती है और ऊर्जा नष्ट होती है, उनसे दूर रहना सीख लीजिए।

छोटी-छोटी खुशियों का महत्व समझें: बड़ा बदलाव लाने के लिए हमेशा बड़े कदम उठाना जरूरी नहीं है। कभी-कभी एक अच्छा संगीत सुनना, प्रकृति में टहलना या किसी पुराने मित्र से बात करना भी आपकी मानसिक ऊर्जा को बदल सकता है। यही छोटे चुनाव बड़े परिणामों की आधारशिला रखते हैं। हर छोटी से छोटी उपलब्धि को सेलिब्रेट करें, उत्साहित हों। *

{ नदीगाथा / वीना गौतम }

थार मरुस्थल की जीवनरेखा लूनी नदी

अरावली पर्वतमाला में अजमेर के पास स्थित नाग पर्वत से निकलने वाली लूनी नदी, एकमात्र ऐसी नदी है, जो थार के मरुस्थल से होकर बहती है। यह भारत की सबसे बड़ी और अकेली अंतःस्थलीय (इनलैंड) नदी है यानी यह नदी समुद्र तक नहीं पहुंचती बल्कि कच्छ के रण में ही विलीन हो जाती है। इसे थार के मरुस्थल की जीवनरेखा कहते हैं, जो भले सीमित जल संसाधन की मालिक हो, लेकिन इसी की बदौलत थार मरुस्थल में जैव विविधता मौजूद है यानी लूनी नदी रेगिस्तान में बहने वाली ऐसी नदी है, जिसके आस-पास का पारिस्थितिकी तंत्र बेहद संवेदनशील और अनूठा है।

नदी की विशिष्टताएं: लूनी इस नदी की लंबाई कुल 495 किलोमीटर है और अपनी प्रकृति के हिसाब से ये मौसमी नदी है, जो अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात में कच्छ के रण में विलीन हो जाती है। लूनी नदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस नदी का शुरुआती सिरा मीठे पानी का और अंतिम सिरा खारे पानी का है। इस मामले में शायद यह दुनिया की ऐसी खास नदी है, जो एक साथ मीठी और खारी दोनों है। अंतःस्थलीय लूनी नदी को अजमेर के पास सागरमती कहा जाता है। करीब 150 किलोमीटर बहने के बाद इसे लवणी या लूणी कहा जाने लगता है। यह पूरी तरह से वर्षा आधारित यानी (रेन फेड) नदी है। इसके बहाव का मुख्य भाग राजस्थान में है और अंतिम भाग गुजरात में है।

मानसून आधारित नदी: मौसमी नदी लूनी, दक्षिण-पश्चिम मानसून पर आधारित है। इसका प्रवाह जुलाई से सितंबर के बीच रहता है, जिसमें शुरू में तेज बहाव होता है, यहां तक कि कई जगहों में यह बाढ़ का कारण भी बनती है। लूनी नदी की खासियतों में एक यह भी है कि यह नदी पूरी तरह से वर्षा से प्रभावित नदी है। अगर जरा भी बारिश अनियमित होती है, तो यह भी अनियमित हो जाती है।

कुछ हिस्सा है खारा: निचले छोर यानी जालोर से कच्छ के बीच इस नदी का पानी खारा हो जाता है। क्योंकि यहां यह रेतीले मैदानों और दलदली क्षेत्र में होकर गुजरती है। भले यह गंगा और यमुना जैसी सांस्कृतिक और सभ्यतामूलक नदी धारा के रूप में न पहचानी जाती हो, लेकिन इसके किनारे भी सभ्यता के कुछ विशेष रूप जन्मे हैं और कुछ राजस्थानी शहर भी इसके किनारे स्थित हैं- जैसे अजमेर, पाली, जोधपुर। *

{ बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश }

बॉलीवुड फिल्मों में नेगेटिव रोल निभाने वाले एक्टर्स यानी खलनायकों को भले ही हीरो जैसा स्टारडम नहीं मिलता लेकिन उनकी पॉपुलैरिटी किसी भी मायने में नायकों से कम नहीं होती है। कुछ एक्टर्स तो आज भी याद किए जाते हैं। ऐसे ही कुछ बेहतरीन खलनायकों पर एक नजर।

नायकों से कम पॉपुलर नहीं बॉलीवुड के ये खलनायक

प्राण | अमरीश पुरी | अमजद खान | प्रेम चोपड़ा

अपने शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड फिल्मों में कई ऐसे खलनायक यानी विलेन हुए हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। दर्शकों को सांस रोककर 'अगले पल क्या होगा?' सोचने को मजबूर कर दिया, इन्हें खौफ का पर्याय माना जाने लगा। 'प्रेम नाम है मेरा-प्रेम चोपड़ा।', 'अरे ओ सांभा, कितने आदमी थे?', 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है।', 'मोगैंबो खुश हुआ!' हिंदी फिल्मों के खलनायकों द्वारा बोले गए ऐसे कई संवाद आज भी जीवंत बने हुए हैं।

ये एक्टर हुए सर्वाधिक चर्चित: बात जब हिंदी फिल्मों के खलनायकों की होती है तो सबसे पहले जो नाम जेहन में उभरते हैं, उनमें शामिल हैं-के.एन. सिंह, कन्हैया लाल, प्राण, अजीत, प्रेमनाथ, मदन पुरी, अमजद खान, जीवन, डैनी डेंजोंगपा, कुलभूषण खरबंदा, अमरीश पुरी, मुकेश तिवारी, कृष्ण धवन, प्रेम चोपड़ा, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, शक्ति कपूर, कादर खान, रजा मुराद, परेश रावल, सदाशिव अमरापुरकर, किरण कुमार। एक बात यह भी है कि संजीव कुमार से लेकर कबीर बेदी तक और शाहरुख खान, ओम पुरी, मोहनीश बहल, अक्षय कुमार, आमिर खान, सैफ अली खान, संजय दत्त, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख, रणवीर सिंह, अनुपम खेर जैसे अभिनेताओं ने भी कम लेकिन विलेन के शानदार रोल निभाए हैं।

यादगार खलनायकों में शामिल गब्बर सिंह: बॉलीवुड में अब तक निभाए गए खलनायक के सबसे प्रभावशाली और यादगार किरदारों में 1975 में आई फिल्म 'शोले' का गब्बर सिंह शामिल है। जिसे पर्दे पर जीवंत किया था अभिनेता अमजद खान ने। पूरे फिल्म सिनेरियो पर नजर दौड़ाएं तो अमजद खान, सिर्फ गब्बर के रोल के कारण अपने पूर्व, समकालीन और बाद के फिल्मी खलनायकों से काफी ऊपर हैं। 'जो डर गया समझो मर गया', 'कितने आदमी थे', 'ये हाथ हमको दे दे ठाकुर', 'तेरा क्या होगा कालिया', फिल्म 'शोले' में गब्बर सिंह का एक-एक संवाद खूब पॉपुलर हुआ और आज भी लोगों की जुबान पर है।

अनुपम खेर

कुलभूषण खरबंदा

'शान' का क्रूर विलेन शाकाल: 'शोले' के बाद की कई फिल्मों में गब्बर सिंह की तरह ही फिल्म के विलेन को खतरनाक और प्रभावशाली ढंग से दिखाने का प्रयास किया गया। 1980 में आई 'शान' में शाकाल का रोल प्ले किया था कुलभूषण खरबंदा ने। 'शाकाल के हाथ में जितने पत्ते होते हैं, उतने ही पत्ते उसकी आस्तीन में होते हैं', 'आदमी दुनिया में हर काम कभी न कभी पहली बार करता ही है', जैसे डायलॉग्स उन दिनों खूब लोकप्रिय हुए थे।

प्रेम चोपड़ा का अलग अंदाज: 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं।' प्रेम चोपड़ा का वह संवाद, जिसे उन्होंने 1983 में 'सौतन' फिल्म में बोला था, उनकी पहचान बन गया। प्रेम चोपड़ा तो अपने रियल नाम से भी फिल्मों में फेमस हुए। 1973 की 'बॉबी' में जब वह कहते हैं, 'प्रेम नाम है मेरा', तो सिनेमा हाल में बैठे हुए दर्शक समझ जाते कि अब नायक-नायिका के साथ कुछ गड़बड़ होने वाली है।

'कर्मा' का इंटेंस विलेन डॉक्टर डैंग: 1986 की फिल्म 'कर्मा' में अनुपम खेर ने डॉक्टर डैंग की यादगार नकारात्मक भूमिका निभाई थी। फिल्म के एक दृश्य में दिलीप कुमार से थप्पड़ खाने के बाद डॉक्टर डैंग का यह डायलॉग, 'इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर।' आज भी दर्शक नहीं भूले हैं। इसके बाद उन्होंने जिस तरह से प्रतिक्रिया व्यक्त की वह डॉक्टर डैंग को दर्शकों के बीच चर्चित कर गया। फिल्म में अनुपम खेर के किरदार और उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

शक्ति कपूर

रंजीत

कोई नहीं अमरीश पुरी जैसा: हिंदी फिल्मों में कई खलनायक ऐसे हुए हैं, जो पर्दे पर जब तेवर दिखाते हैं तो सामने वाले हीरो पर पूरी तरह हावी हो जाते हैं। ऐसे ही विलेन में अमरीश पुरी भी शामिल हैं। अमरीश पुरी ने 'मिस्टर इंडिया' और 'लोहा' में ऐसे अपना रोल निभाया कि पर्दे पर उनके आते ही दर्शक सीट से उठते ही नहीं थे। दोनों फिल्मों में एक दशक का अंतर था। गब्बर के बाद अमरीश पुरी ही ऐसे खलनायक रहे हैं, जिनके संवाद बच्चों को भी याद हैं। 'मिस्टर इंडिया' में उनके बोले संवाद 'मोगैंबो खुश हुआ' को आज भी बच्चे बोलते रहते हैं।

इनकी खलनायकी ने कायम की मिसाल: प्राण ने भी अपनी खलनायिकी के अंदाज से बड़े-बड़े नायकों को पर्दे पर टक्कर दी। उनकी बेहतरीन खलनायिकी को सामने लाने वाली फिल्मों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। प्राण की तरह ही मदनपुरी और प्रेमनाथ भी खलनायिकी करने में उस्ताद थे। प्रेमनाथ का 'पराया धन' तथा 'जॉनी मेरा नाम' में विलेन का रंग बहुत चमकदार रहा। इनके अलावा शक्ति कपूर, किरण कुमार, कादर खान, गुलशन ग्रोवर, रंजीत, परेश रावल और भी कई ऐसे फिल्मी विलेन हुए हैं, जिन्हें नायकों की तरह ही पहचाना जाता है। 'चाइना गेट' में डाकू जगीरा का रोल करने वाले मुकेश तिवारी और 'राम तेरी गंगा मैली' के माणिक लाल उर्फ कृष्ण धवन को भी दर्शक याद करते हैं। *

आज युवाओं के लिए सनग्लासेज एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो उन्हें धूप से बचाने के साथ ही उनकी पर्सनालिटी को अपग्रेड भी करती है। यह डिजिटल-रियल दोनों दुनिया में यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को समर स्वैग देती है।

अट्रैक्टिव सनग्लासेज बढ़ा दे यंगस्टर्स का समर स्वैग

{ सीजनल फैशन / प्रतिमा अरोड़ा }

गर्मी शुरू होते ही सिर्फ तापमान नहीं बढ़ता बल्कि युवाओं का फैशन मीटर भी हाई हो जाता है। कॉलेज कैंपस, कैफे, मॉल, ट्रैवल स्पॉट, हर जगह एक खास तरह की स्टाइल एनर्जी देखने को मिलती है। उनके इस समूचे 'समर स्वैग' को किसी एक एक्सेसरीज के जरिए व्यक्त करना हो, तो वो है-सनग्लासेज।

सनग्लासेज या धूप का चश्मा सिर्फ चिलचिलाती गर्मी से बचने भर का जरिया नहीं रह गया है बल्कि अब यह एक ऐसी पहचान बन चुका है, जो यंगस्टर्स की पर्सनालिटी को गर्मियों का खास लुक देता है।

एटीट्यूड का हिस्सा: एक समय तक सनग्लासेज को गर्मी के मौसम की एक जरूरत माना जाता था, आंखों को धूप से बचाने के लिए लेकिन अब यह एक एटीट्यूड एक्सेसरीज बन चुका है। जैसे ही कोई सनग्लास पहनता है, उसकी बॉडी लैंग्वेज बदल जाती है। थोड़ा आत्मविश्वास, थोड़ा रहस्य और थोड़ा 'मैं सबसे अलग हूं' का भाव उसकी पर्सनालिटी में आ जाता है। इंस्टाग्राम रील से लेकर कॉलेज फेस्ट तक अगर किसी एक एक्सेसरीज पर सबसे ज्यादा जोर दिखता है, तो वह है सनग्लास। यही कारण है कि सनग्लासेस को यंगस्टर्स के एटीट्यूड का सबसे खास हिस्सा माना जाता है।

सोशल मीडिया का बड़ा रोल: आज के दौर का फैशन सिर्फ सड़क या कॉलेज में दिखाने तक सीमित नहीं है बल्कि सच बात तो यह है कि वह बाकी किसी भी जगहों से ज्यादा सोशल मीडिया के लिए होता है। गर्मी के दौरान सनग्लासेज, डिजिटल फैशन का सबसे इंपॉर्टेंट पार्ट बन जाता है। चेहरे पर सनग्लास लगी सेल्फी ज्यादा शार्प होती है, इसमें आंखों का एक्सप्रेशन कंट्रोल किया जा सकता है। सनग्लास की वजह से एक कूल और कंट्रोल्ड इमेज बनती है। यही कारण है कि युवाओं के सनग्लास सिर्फ पहनने की चीज नहीं बल्कि कंटेंट क्रिएशन का टूल बन चुका है।

फैशन+परफेक्शन=परफेक्ट समर कॉम्बो: गर्मी के मौसम में जहां एक तरफ स्टाइल जरूरी है, वहीं दूसरी तरफ आसमान से बरसती आग से बचना भी जरूरी है। इसलिए सनग्लासेज इस मौसम के लिए सबसे परफेक्ट कॉम्बो एक्सेसरीज माने जाते हैं। सनग्लासेज इस बैलेंस को सचमुच परफेक्ट बनाते हैं, क्योंकि इनसे- तेज धूप से आंखों की सुरक्षा संभव होती है। पसीने और थकान में भी फ्रेश लुक बनी रहती है। ट्रैवल के दौरान आरामदायक विजन मिलता है यानी यह एक्सेसरीज सिर्फ दिखने के लिए नहीं बल्कि जीने के तरीके को भी आसानी से बदल देती है।

कई वैरायटीज में उपलब्ध: सनग्लासेस आज एक्सेसरीज में बदल चुके हैं। अब ये टिंटेड लैंस यानी ब्लू, यलो और पिंक कलर में भी उपलब्ध हैं। आज बाजार में सनग्लासेज बोल्ड और ड्रामेटिक दिखने वाले ओवरसाइज्ड फ्रेम में भी मौजूद हैं। सनग्लासेज वो एक्सेसरीज हैं, जिसे युवा सबसे ज्यादा एक्सप्लोर करते हैं, क्योंकि इनके जरिए अब हर चेहरा अपना एक अलग स्टाइल कैरी कर सकता है। *